नमाज़ शब्द की उत्पत्ति

खुर्शीद इमाम

उत्पत्ति

नमाज़ (نماز) शब्द अरबी या संस्कृत से नहीं आया है; यह फ़ारसी भाषा से लिया गया है। यह मध्य फ़ारसी (पहलवी) *namāč* या *namāg* शब्दों से लिया गया है, जिसका अर्थ है प्रार्थना, या उपासना। क्लासिकल फ़ारसी साहित्य में यह इस्लामी प्रार्थना के लिए प्रचलित था, और बाद में यह उर्दू, तुर्की, हिंदी, पश्तो, कुर्दी और मध्य एशियाई कई भाषाओं में फैल गया।

कुरआन और अरबी भाषा में हमेशा **सलात(صلاة)** शब्द ही प्रयुक्त होता है, न कि नमाज़। अरबी भाषी कभी "नमाज़" शब्द का उपयोग नहीं करते। इस्लाम के प्रसार के साथ — फ़ारस, दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और तुर्की में — वहाँ के मुसलमानों ने फ़ारसी शब्द "नमाज़" को अपनाया। इस कारण भारत, पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, ईरान, तुर्की, ताजिकिस्तान और मध्य एशिया में यह शब्द आम है। इसके विपरीत अरब दुनिया, मलेशिया, इंडोनेशिया और अफ़्रीका में लोग सलात या स्थानीय रूपों का उपयोग करते हैं, नमाज़ नहीं।

भ्रामक धारणाएँ

कुछ लोग यह गलतफ़हमी पालते हैं कि "नमाज़" संस्कृत शब्द है क्योंकि यह संस्कृत के "नमः" जैसा लगता है।

1. **'नमाज़' संस्कृत शब्द नहीं है।**

हिंदू धार्मिक ग्रंथों—जैसे वेद, उपनिषद, दर्शनों, पुराणों या महाभारत—में कहीं भी "नमाज़" शब्द का उल्लेख नहीं मिलता। किसी भी शास्त्रीय हिंदू विद्वान ने कभी "नमाज़" को संस्कृत शब्द नहीं कहा। हिंदू धर्म से निकटता दिखाने के प्रयास में कुछ मुसलमानों ने यह दावा किया है—जो पूरी तरह तथ्यों की अनदेखी है। हालांकि, यह याद रखना ज़रूरी है कि शैक्षणिक तथ्य हमेशा भावनात्मक दावों से ऊपर होते हैं।

2. नमाज़ संस्कृत शब्दकोश में नहीं मिलता।

3. लेकिन फ़ारसी शब्दकोश में यह शब्द है।

फारसी शब्दकोश 1: ए कन्साइस पहलवी डिक्शनरी – डी. एन. मैकेंज़ी

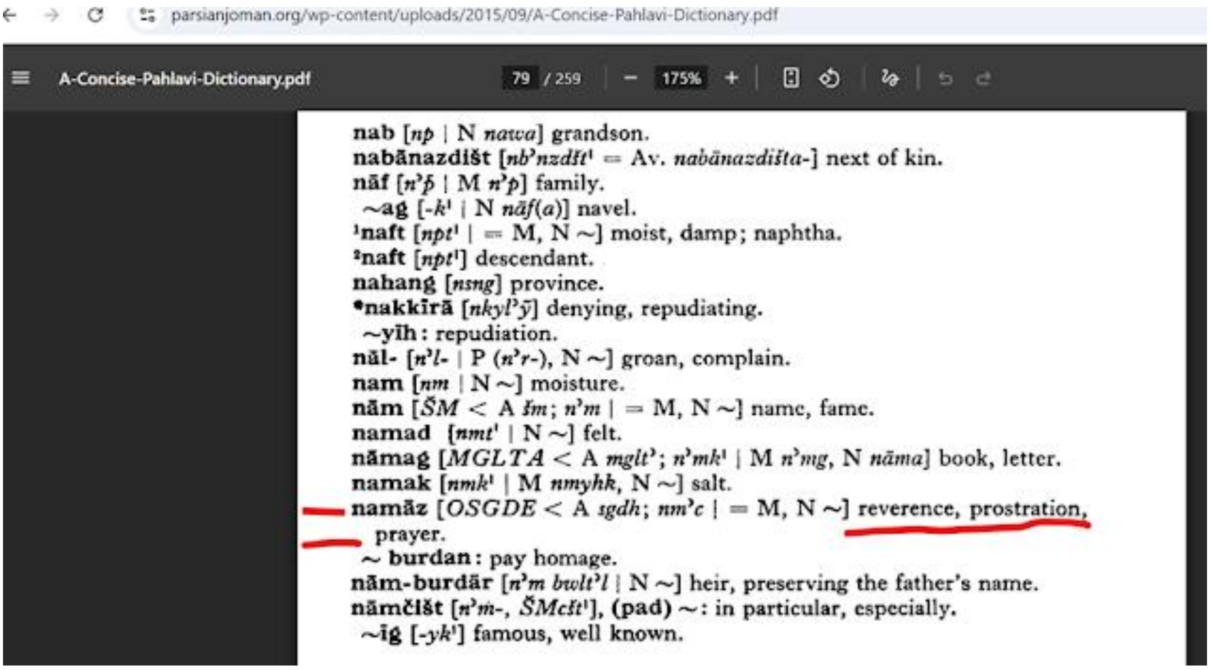
parsianjoman.org/wp-content/uploads/2015/09/A-Concise-Pahlavi-Dictionary.pdf

A-Concise-Pahlavi-Dictionary.pdf 79 / 259 175%

nab [*np* | N *nawa*] grandson.
nabānazdišt [*nb'nzdšt'* = Av. *nabānazdišta-*] next of kin.
nāf [*n'p̄* | M *n'p*] family.
 ~ag [*-k'* | N *nāf(a)*] navel.
[1]**naft** [*npt'* | = M, N ~] moist, damp; naphtha.
[2]**naft** [*npt'*] descendant.
nahang [*nsng*] province.
***nakkīrā** [*nkyl'ȳ*] denying, repudiating.
 ~yīh: repudiation.
nāl- [*n'l-* | P (*n'r-*), N ~] groan, complain.
nam [*nm* | N ~] moisture.
nām [*ŠM* < A *šm*; *n'm* | = M, N ~] name, fame.
namad [*nmt'* | N ~] felt.
nāmag [*MGLTA* < A *mglt'*; *n'mk'* | M *n'mg*, N *nāma*] book, letter.
namak [*nmk'* | M *nmyhk*, N ~] salt.
namāz [*OSGDE* < A *sgdh*; *nm'c* | = M, N ~] reverence, prostration, prayer.
 ~ burdan: pay homage.
nām-burdār [*n'm bwlt'l* | N ~] heir, preserving the father's name.
nāmčišt [*n'm-*, *ŠMcšt'*], **(pad)** ~: in particular, especially.
 ~īg [*-yk'*] famous, well known.

फारसी शब्दकोश 2: ए कॉम्प्रिहेन्सिव फ़ारसी-इंग्लिश डिक्शनरी – फ्रांसिस जोसेफ़ स्टीनगास

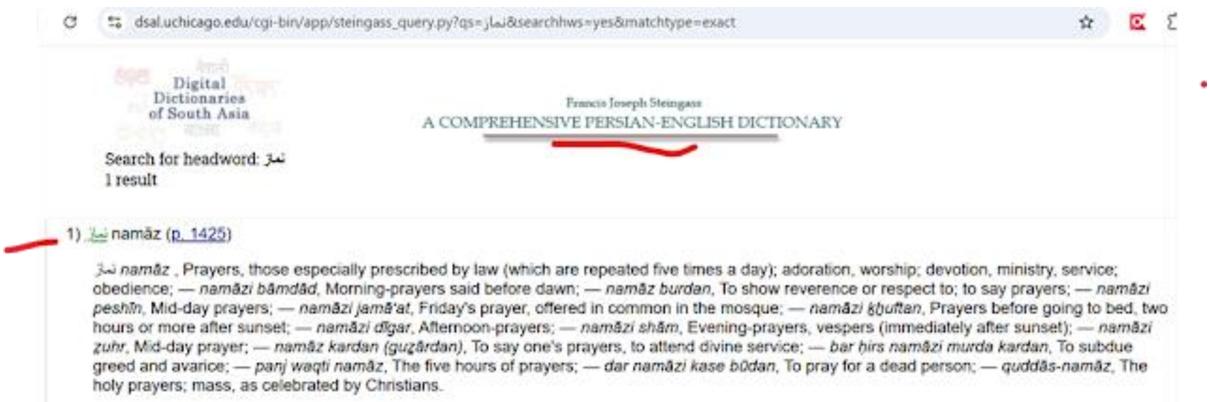

फारसी शब्दकोश 3:

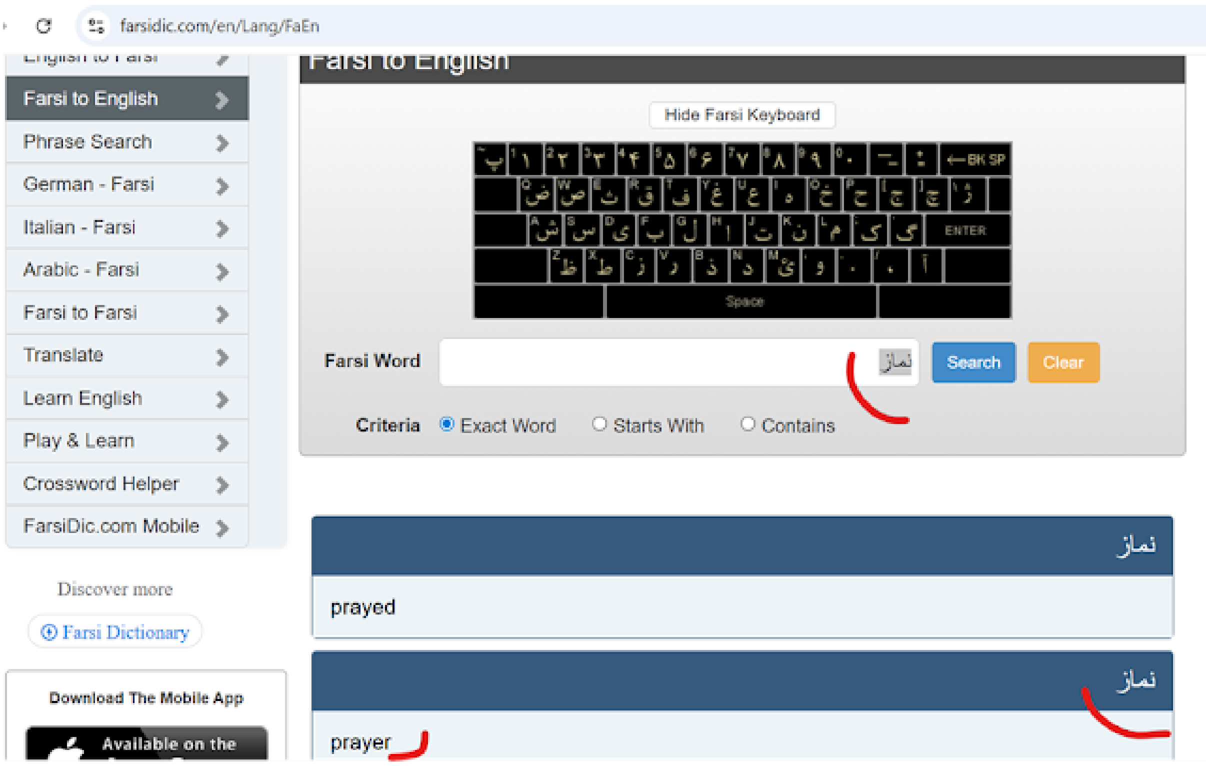

4. संस्कृत में "नमस्" शब्द है, जिसका अर्थ नमन, अभिवादन, प्रणाम है। यह इंडो-आर्यन शाखा का स्वतंत्र शब्द है।"नमाज" और "नमस्" दोनों मूलतः *Proto-Indo-Iranian* (प्रोटो-इंडो-ईरानी) धातु *nam-* ("झुकना, नमन करना") से उभरे हुए शब्द हैं। ये दोनों **कज़िन शब्द (cognates)** हैं — एक ही जड़ से निकलने वाले, किन्तु अलग-अलग भाषाई विकास के।

एक उदाहरण देकर समझें:
कल्पना कीजिए दो चचेरे भाई हों जिनमें आनुवंशिक रूप से लाल बालों का गुण है। एक कनाडा में रहता

है और बाल छोटे रखता है, दूसरा भारत में और बाल लंबे रखता है। मूल समान, अभिव्यक्ति भिन्न — ये दोनों अलग पहचान दर्शाते हैं।

एक और बड़ी भूल

कुछ लोग यह दावा करते हैं: **नमः + अज** = नमाज → नमाज़।

यह पूरी तरह से निराधार है—एक शास्त्रीय लोक-व्युत्पत्ति (folk etymology) का उदाहरण है, जैसा कि यह कहना कि “butterfly” शब्द “butter + fly” से बना है क्योंकि यह उड़ता है और मक्खन जैसा पीला है।

यह गलत क्यों है:

1. नमाज़ शब्द मध्य फ़ारसी (Pahlavi) में *namāč/namāg* रूप में मिलता है, इस्लाम के भारत में आने से पहले ही।
2. हम “Nama**Z**” की बात कर रहे हैं, “Nama**J**” नहीं — ‘-ज़’ अंत फ़ारसी विशेषता है, न कि संस्कृत।
3. संस्कृत में “अज” (अजन्मा) का अर्थ देता है, पर यह **नमः + अज** होकर 'नमाज़' बनने वाला संयोजन संस्कृत साहित्य में नहीं मिलता।
4. संस्कृत व्याकरण के अनुसार “नमः + अज = नमाज” नहीं बनता। संस्कृत व्याकरण के अनुसार मनः + ज = मनोज। इसलिए नमः + अज = *नमोऽज* बनना चाहिए, न कि 'नमाज़'।
5. अगर हमे एक शब्द बनाना ही हो जिसका अर्थ हो “अजन्मे को नमन” तो वो कुछ इस प्रकार बनेगा :

नमः + अजाय = नमोऽजाय।

6. **विष्णु सहस्रनाम**, 95वाँ नाम, देखें जहाँ शब्द **नमः** का विभिन्न शब्दों के साथ उपयोग हुआ है। इस पैटर्न के अनुसार हमारे सन्दर्भ में शब्द बनेगा '**अजाय नमः**'।

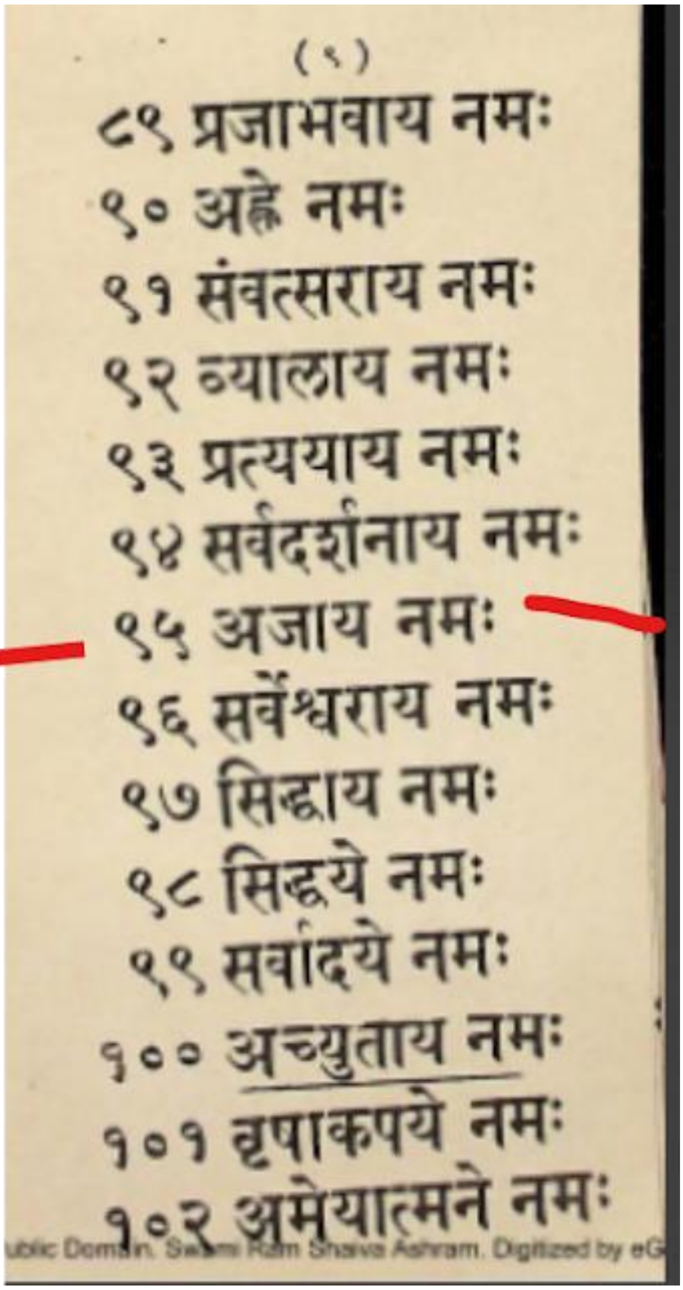

(९)

८९ प्रजाभवाय नमः
९० अर्के नमः
९१ संवत्सराय नमः
९२ व्यालाय नमः
९३ प्रत्ययाय नमः
९४ सर्वदर्शनाय नमः
९५ अजाय नमः
९६ सर्वेश्वराय नमः
९७ सिद्धाय नमः
९८ सिद्धये नमः
९९ सर्वादये नमः
१०० अच्युताय नमः
१०१ वृषाकपये नमः
१०२ अमेयात्मने नमः

ublic Domain. Swami Ram Shaiva Ashram. Digitized by eG

7. एक और चौंकाने वाला तथ्य यह है कि संस्कृत साहित्य में बिल्कुल वही पद प्रयोग हुआ है – **‘अज (अजन्मा) को नमन’**, लेकिन शब्द **'नमाज़'** नहीं बनता, बल्कि **नमोऽजाय** बनता है।

शिव का स्वप्नफल दर्शक मन्त्र इस प्रकार है – 'ॐ हिलि हिलि शूलपाणये स्वाहा।'

इसका जप करके अञ्जलि मे पुष्पो को लेकर पुष्पाञ्जलि अर्पित करे तथा निम्नलिखित मन्त्रों से शिव को प्रार्थना करें ।

प्रार्थना मंत्र –

ॐ भगवन् देवदेवेश शूलभृद् वृषभध्वज ।
इष्टानिष्टे समाचक्ष्व मम सुप्तस्य शश्वत ।।११।।
नमोऽजाय त्रिनेत्राय पिंगलाय महात्मने ।
वामाय विश्वरूपाय स्वप्नाधिपतये नमः ।।१२।।

भगवान् देवाधिदेव! शूलधारी! वृष चिह्न युक्त ध्वजावाले! शाश्वत! शयन अवस्था मे स्वप्न में इष्ट अनिष्ट फल कहे । अज (कभी न उत्पन्न होने वाले) को प्रणाम है । त्रिनेत्र, पिंगल, महात्मा, वाम, विश्वरूप, स्वप्नाधिपति आदि नाम से युक्त प्रभु आपको प्रणाम है ।

8. यही शब्द **नमः** का उपयोग संस्कृत शब्द **अजर** (जो बूढ़ा न हो) के साथ भी हुआ है।

सिंहाय दैत्यनिधनाय चतुर्भुजाय ।
ब्रह्मेन्द्ररुद्रमुनिचारणसंस्तुताय
देवोत्तमाय वरदाय नमोऽच्युताय ॥ ३९
नागेन्द्रदेहशयनासनसुप्रियाय
गोक्षीरहेमशुकनीलघनोपमाय ।
पीताम्बराय मधुकैटभनाशनाय
विश्वाय चारुमुकुटाय नमोऽजराय ॥ ४०
नाभिप्रजातकमलस्थचतुर्मुखाय
क्षीरोदकार्णवनिकेत यशोधराय ।
नानाविचित्रमुकुटाङ्गदभूषणाय
सर्वेश्वराय वरदाय नमो वराय ॥ ४१

फुल्लारविन्दविपुलायतलोचनाय ।
देवेन्द्रविघ्नशमनोद्यतपौरुषाय
योगेश्वराय विरजाय नमो वराय ॥ ४२
ब्रह्मायनाय त्रिदशायनाय
लोकाधिनाथाय भवापनाय ।
नारायणायात्महितायनाय
महावराहाय नमस्करोमि ॥ ४३
कूटस्थमव्यक्तमचिन्त्यरूपं
नारायणं कारणमादिदेवम् ।
युगान्तशेषं पुरुषं पुराणं
तं देवदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ ४४

३९. दे$_{11}$. abc⊙. –a) ब$_{1,2}$ गुह्याय देव°, दे$_{9}$ अगूढदेव°, न$_{1}$ गुह्यार्थवेद° (→गुह्याय वेद°)ः कारा. °तिलकाय (→°निलयाय); ब$_{1-3}$ महोरगाय (→महोदराय). –b) दे$_{1-5}$ °निलयाय (→°निधनाय); दे$_{4}$ सिंहाय दैत्याय चतुर्भुजाय. –c) दे$_{9}$ °वन्दिताय (→°संस्तुताय). –d) का$_{1}$ दे$_{3}$ सकलाय (→वरदाय); शा$_{1}$ कारा. का$_{1-2}$ दे$_{1,4-5-10}$ [अ]व्याय (→[अ]च्युताय).

४०. दे$_{1}$. bcd ⊙; ब$_{3}$. cd ⊙; दे$_{3}$. a ⊙. –a) ब$_{1-3}$ दे$_{11}$ °भोगशयनाय च (ब$_{1}$ दे$_{11}$ न), दे$_{9}$ न$_{1}$ °भोगशयनासन- (→°देहशयनासन-); दे$_{5}$ नागेन्द्रदेहशयनाय वसुप्रियाय. –b) शा$_{1}$ का$_{2}$ °घनोत्तमाय (→°घनोपमाय). –d) शा$_{1}$ का$_{1}$ दे$_{3}$ विश्वाद्य- (→विश्वाय); ब$_{1}$ नमः सुराय, ब$_{2}$ नमोऽङ्कुराय, दे$_{3-7-9-11}$ न$_{1}$ नमोऽक्षराय (→नमोऽजराय).

न$_{1}$ भक्तिप्रियाय सुदर्शनाय वरदाय. –c) ब$_{2}$ कुन्दा° (→फुल्ला°); ब$_{1-3}$ दे$_{3}$ °विम° (→°विपु°). –d) ब$_{1-3}$ दे$_{3}$ वरदाय (→विरजाय); दे$_{10}$ पराय (→वराय)ः दे$_{9}$ वागीश्वराय विजयाय नमो रजाय.

४२ श्लोकात्परं ब$_{1,3}$ अधिकम्—
327 •देवेन्द्रदानवपरीक्षितपौरुषाय ।

४३. दे$_{11}$. ab⊙दे$_{1}$.b अस्पष्टम्. –a) का$_{2}$ ब्रह्मायणाय, दे$_{4}$ ब्राह्मणाय ? (→ब्रह्मायनाय); ब$_{3}$ त्रिदशानयाय, दे$_{9}$ (निखिल) त्रिदशायनाय, (→त्रिदशायनाय)ः न$_{1}$ ब्रह्मायनाय त्रिदशाय नमः परस्मै. –b) ब$_{1-3}$ दे$_{2-7}$ लोकायनायात्महिताय (ब$_{3}$ °स°) नाय, दे$_{4-10}$ लोकायनायाखिलभवापनाय, दे$_{5}$ लोकायनायात्मभवायनाय, दे$_{9}$ लोकायनाय सकलात्महितायनाय. न$_{1}$ लोकाधिपाय पुरुषाय त्रयो-

नमः + अज= नमोऽज होगा इसी नियम के तहत नमः + अजराय से बने नमोऽजराय का प्रयोग श्लोक 40 में देखें।

नमः + अजराय = नमोऽजराय। यह **नमोऽजाय** के समान है। संस्कृत में **नमाज़** शब्द बनाने की कोई संभावना नहीं है।

निष्कर्ष

लगभग 800 वर्षों तक फ़ारसी दक्षिण और मध्य एशिया में सत्ता, संस्कृति और आध्यात्मिक भाषा रही। भारत की अदालतों में (11वीं से 19वीं सदी तक) यह आधिकारिक भाषा थी, और इसका गहरा प्रभाव उर्दू, हिंदी, तुर्की और मध्य एशिया की भाषाओं पर पड़ा।

आज भी फ़ारसी शब्द जैसे **नमाज़, रोज़ा, महफ़िल, दोस्त, ख़्वाब, ज़बान** भारतीय उपमहाद्वीप की भाषाओं का हिस्सा हैं।

इसलिए स्पष्ट है कि **"नमाज़" शब्द पूरी तरह से फ़ारसी मूल** का है—यह संस्कृत शब्द नहीं है।

English version: https://khurshidimam.blogspot.com/2025/09/origin-of-word-namaz.html

Urdu version: https://khurshidimamurdu.blogspot.com/2025/09/blog-post.html